# तु दयालु दीन हो

तु दयालु दीन हौ ,
तु दानि हौ भिखारी,
हौ प्रसिद्ध पार्टी , तु पाप पुंज हारी,

नाथ तु अनाथ को , अनाथ कौन मोसो
मो समान आरत नहीं , आरति हर तोसों,

ब्रह्म तु हौ जीव तु है , ठाकुर हौ चेरो
तात मात गुरु सखा , तु सब विधि हि तु मेरो

तोहि मोहि नाते अनेक , मानिए जो भावै
ज्यों त्यों तुलसी कृपालु , चलन - सरन पावै

Source: https://www.bharattemples.com/tu-dayalu-din-ho/

Bharat Temples

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw